क्रियान्वयन में बिखराव रोड़ा

नियोजन और मानव विकास पर चर्चा, सिस्टम में नहीं एकरूपता

मीडिया की कार्यशाला

सिटी रिपोर्टर. रायपुर

मानव विकास व नियोजन पर मीडिया की इस वर्कशॉप में अनेक पत्रकार और मीडियाकर्मी शामिल हुए।

सरकारी तंत्र, पारिवारिक तंत्र, निजी कंपनियां, इन तीनों क्षेत्रों पर बिखराव हावी है। इसके लिए किसी एक कारण को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इस बिखराव के लिए वे सभी लोग जिम्मेदार हैं, जो पॉलिसी तैयार करने से लेकर इसके क्रियान्वयन का काम करते हैं।

आजादी के बाद से ज्यादातर पॉलिसी ग्रामीण विकास के लिए तैयार की जा रही हैं। लेकिन, क्या इन पॉलिसी का सही ढंग से क्रियान्वयन हो पाता है। जवाब नहीं में मिलेगा। क्योंकि, हमने पॉलिसी तो बना दी, लेकिन उनके इम्प्लीमेंटेशन में हम काफी पीछे हैं। बुधवार को भारत सरकार के पूर्व सेक्रेटरी टी रघुनंदन ने विकेंद्रीकरण की और विस्तृत जानकारी दी।

मौका था संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और योजना आयोग की ओर से आयोजित की जा रही दो दिवसीय कार्यशाला का। जेल रोड स्थित एक होटल में हुई वर्कशॉप में सरकारी तंत्र में योजनाओं के नियोजन और क्रियान्वयन संबंधी मुद्दों पर विशेषज्ञों ने अपनी राय दी।

इस दौरान कार्यशाला में मौजूद प्रतिभागियों से इन मुद्दों पर गहन चर्चा भी की गई। इससे पहले कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत में टी रघुनंदन, इंक्लूसिव मीडिया फॉर चेंज के डायरेक्टर विपुल मुदगल सहित देश के विभिन्न मीडिया संस्थानों से आए सदस्य मौजूद रहे।

अगले पांच साल में तकनीक क्रांतिः आने वाले पांच सालों में नई तकनीक क्रांति जन्म लेगी। सीजी नेट स्वर के सुधांशु चौधरी ने कहा कि तकनीक के क्षेत्र में जितना विकास हमने किया है, वो सराहनीय है। वर्तमान में ग्रामीण परिवेश में भी बेहतर तकनीक का प्रयोग होने लगा है। स्मार्टफोन से लेकर अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ग्रामीण क्षेत्रों में भी सहज रूप से उपलब्ध हैं। यही भविष्य में सूचना की सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

ग्रामीण प्रतिनिधियों से चर्चा आजः कार्यशाला के दूसरे दिन ग्रामीण अंचलों से आए प्रतिनिधियों से चर्चा की जाएगी। ग्रामीण अंचलों का प्रतिनिधित्व कर रहे सरपंच, ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत स्तर के प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे। चर्चा के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में आने वाली प्रशासनिक समस्याओं सहित इससे संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।